मगन हो जाओ प्रभु प्यार में !

1. कितने उपकार किये हैं तूने हम पर!

2. नजरों में छुपाया है तूने हमें।

3. भटकने से छुड़ाया है आकर हमें।

4. अपनी छत्रछाया में सुरक्षित किया है हमें।

5. चिन्ताओं व बोझ से मुक्त किया है हमें।

6. दुःख हरकर चैन दिया है हमें।

7. दुःख के ऑसू पोंछे हैं हमारे।

8. तू आकर सच्चा सहारा बना।

9. तूने समस्याओं से लड़ने का बल प्रदान किया।

10. जन्म-जन्म की थकान मिटाई।

11. विकारों से मुक्त कर जीवन निर्मल किया।

12. अनहद प्यार बरसाया।

13. अनेक वरदानों से जीवन सजाया।

14. जन्म-जन्म की भक्ति की मनोकामनायें पूर्ण की।

15. खोया हुआ स्वराज्य दिलाया।

16. हमें स्वीकार किया, अपने कार्य में लगाया।

17. प्रीत की रीत निभाई।

18. हम सोतों को जगाया।

19. रोज ज्ञान-रत्नों से हमारा श्रृंगार किया।

20. सर्व श्रेष्ठ बुद्धि प्रदान की।

21. हमें जीना सिखाया।

22. हमारे भण्डार भरपूर किये।

23. हमें बोलना सिखाया, वाकसिद्धि प्रदान की।

24. हमारा मार्ग निष्कंटक किया।

25. तूने अपनी नजर हम पर डाली।

26. जिन्दगी में रस भर दिया।

27. हमें उलझनों व पापों से बचाया।

28. स्वयं के सारे भेद खोल दिये।

29. रोज हमारे द्वार पर आकर हमें तृप्त किया।

30. प्राप्ति का हर द्वार खोल दिया।

31. जीवन का सुमन खिलाया।

32. भय से मुक्त किया।

33. संसार में हमारा गौरव बढ़ाया।

34. दिशाहीन जीवन को नव दिशा प्रदान किया।

35. हमारे छोटे से त्याग पर अपना सर्वस्व कुर्बान किया।

36. भाग्य की कलम हमारे हाथ में दी।

37. दिव्य नेत्र प्रदान किया।

38. माया के हर वार से बचाया।

39. जब भी याद किया, दौड़े चले आये।

40. हमें अधिकारी बनाया।

41. दर्शनों को तरसते थे, हमारे सम्मुख आ प्रत्यक्ष हुए।

42. अपने दिल तख्त पर बैठाया।

43. स्वमान के सिंहासन पर बैठाया।

44. असीम प्यार किया।

45. हमारी हर आवाज सुनी।

46. हमें नजरों से निहाल किया।

47. कदम-कदम पर हमें साथ दिया, हमें गिरने से बचाया।

48. अपनी समस्त शक्तियाँ हमें प्रदान की।

49. हमें पत्थर से पारस, काँटों से फूल बनाया।

ओम् शान्ति